MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:22 SEPTEMBER. 2025

किया।

वरिष्ठ रंगकर्मी राजीव वर्मा के मशहूर नाटक 'कैक्टस फ्लावर' का पांच दिन में दूसरा मंचन

कठिनाइयों में भी हंसकर जीने की सीख देता नाटक एमसीयू में हुआ दसवां शो

● भोपाल / आरएनएन

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय में रविवार को जब हास्य नाटक 'कैक्टस फ़्लावर' का मंचन हुआ तो खचाखच भरा सभागार ठहाकों से गूंज उठा। यह इस नाटक का दसवां शो था, जिसे भोपाल थियेटर्स ने पेश किया। विगत 17 को इसका शो एलबीटी सभागार में हुआ था।

लोकप्रियता के चलते तीन दिन बाद ही इसके अगले शो को मंच पर लेकर आए वरिष्ठ रंगकर्मी राजीव वर्मा। राजीव के निर्देशन और हिंदी रूपांतरण प्रवीण महूवाले में मंचित इस नाटक का मंच साधारण था, लेकिन प्रभावशाली अभिनय, सज्जा और प्रकाश संयोजन ने प्रस्तुति को प्रभावी बनाया। दर्शक शुरुआत से ही पात्रों की अदायगी और संवादों की धार में बंधते चले गए।

रेगिस्तान में भी खिल सकते हैं फूल

येब बरोस की कहानी पर आधारित नाटक की शुरूआत होती है एक दिलफेंक इंसान से और धीरे-धीरे कई पात्र जुड़ते जाते हैं। ये सभी पात्र जीवन के उस 'कैक्टस' जैसे हैं, जो कठिनाइयों और उलझनों में भी डटे रहते हैं और रिश्तों की गुत्थियां सुलझाते रहते हैं। व्यंग्य और हास्य से बुना यह कथानक यह संदेश देता है कि कांटों से भरे रेगिस्तान में भी फूल खिल सकते हैं। इस प्रतीकात्मकता के जरिए नाटककार ने जीवन की पेचीदगियों में उम्मीद और प्रेम की खूबसूरती को दर्शकों के सामने रखा।

वरिष्ठ रंगकर्मियों की जीवंत अदायगी,सहज कॉमिक टाइमिंग ने बांधा समां: कलाकारों की जीवंत अदायगी इस नाटक की सबसे बड़ी ताकत रही। रीता वर्मा की सहज कॉमिक टाइमिंग, सुनील सक्सेना के चुटीले संवाद, महुआ चैटर्जी की भावपूर्ण प्रस्तुति और प्रवीण महूवाले की त्वरित अदायगी पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं। अंत में स्वयं राजीव वर्मा का मंच पर आना पूरे नाटक को चरम पर ले गया। संगीत सनी सेन का था, जबकि मंच परिकल्पना दिनेश नायर और प्रकाश परिकल्पना कमल जैन ने संभाली।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'RAJ EXPRESS'22 SEPTEMBER.2025

जीवन की गुत्थी ने हंसाया, पारिवारिक रिश्तों का महत्व समझाया

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: प्यार, मोहब्बत और इश्क हमारे चारों ओर फैला हुआ है, लेकिन स्वार्थ में डूबे व्यक्ति को यह दिखाई नहीं देता। हमारा जीवन कैक्टस फ्लावर की तरह होता है, जिसमें कांटे तो होते हैं, लेकिन फूल भी खिल सकते हैं। इस प्रेम को तलाशने और स्वीकार करने की आवश्यकता है।

रविवार शाम को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में नाटक कैक्टस फ्लावर का मंचन किया गया। यह नाटक बरोस द्वारा लिखा गया है और वरिष्ठ रंगकर्मी राजीव वर्मा द्वारा निर्देशित किया गया है। भोपाल थिएटर के कलाकारों ने इस कामेडी नाटक की प्रस्तुति दी। कहानी एक दिल फेंक इंसान से शुरू होती है, जो आजाद पंछी की तरह जीवन जीना चाहता है। वह एक फूल से दूसरे फूल पर मंडराता है, लेकिन प्यार का खेल कभी-कभी महंगा पड़ता है। नाटक में अन्य पात्र भी जुड़ते हैं, जो विषम परिस्थितियों में कांटों के साथ जीवन की गुत्थियां सुलझाते हैं। यह नाटक संबंधों के महत्व पर गहराई से सोचने के लिए प्रेरित करता है। प्रकाश परिकल्पना कमल जैन की थी।

नाटक कैक्टस फ्लावर का मंचन करते राजीव वर्मा व अन्य कलाकार। ● सौ: आयोजन

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA'22 SEPTEMBER.2025